

सार-समाचार

काव्यगोष्ठी में साहित्यकारों ने रंग जमाया

चूरू (निसं)। स्थानीय नगर श्री सभागार में हिन्दी दिवस पर हिंदी साहित्य संसद चूरू की ओर से साहित्यकार सम्मान समारोह एवं काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय व बाहरी कवियों ने देर रात तक खूब रंग जमाया। शिक्षाविद् बाबूलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुमार अजय थे। इस अवसर पर साहित्यकार जय कुमार रुसवा कोलकाता को रामादेवी-भागीरथ प्रसाद मरदा स्मृति कोष 202५ से व राजेन्द्र स्वर्णकार बीकानेर को जनकवि प्रदीप शर्मा सम्मान 202५ से सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप कवियों को श्रीफल, शॉल, प्रतीक चिन्ह, प्रशस्ति पत्र, पदक व 11०00 रुपए प्रदान किए गए। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में हुई काव्यगोष्ठी में कवि सुनील खंडोवाल, ओम भगतानी, इमरान अहमद, अनिल रजनी कुमार, मंगल भारती, महेश सैनी, विजय कान्त, अब्दुल मन्नान, इदरीस खत्री राज, विसाऊ के प्रमोद सिंगियाशा शरवत, सीकर के गणेश शर्मा, पवन कुमार उत्साही, महावीर प्रसाद शर्मा, शोकीन, रामचंद्र शर्मा, ओमप्रकाश खींची दिल सीकरी आदि ने एक से बढकर एक मनमोहक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिये। वहीं मुख्य अतिथि कुमार अजय, बनबाही लाल खामोश व सम्मानित हुए कवि जयकुमार रुसवा व राजेन्द्र स्वर्णकार ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अध्यक्षीय उद्घोघन में बाबूलाल शर्मा ने सम्मानित साहित्यकारों और आयोजकों को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बधाई देते हुये सभी की आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अंतत राम सोनी, मदन लाल चोटिया, मंगतराम चोटिया, पुरुषोत्तम नरडिया, परमेश्वर जालुका, सुल्तान सिंह कर्खा, विजय कुमार नवहाल, हरीश झकनाडिया, डॉ. सुरेंद्र शर्मा, राजेन्द्र शर्मा मुसाफिर, रवीन्द्र माटोलिया, बालकिशन तिवाडी, प्रदीप सरोठिया, राजकुमार शर्मा सहित बडी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. कमल सिंह कोठारी ने किया।

खड़ोलिया माली समाज के अध्यक्ष बने

राजलदेसर (निसं)। रविवार देर रात्रि को माली सैनी समाज अतिथि भवन में वरिष्ठ उपाध्यक्ष जोराराम माली की अध्यक्षता में मीटिंग का आयोजन रखा गया जिसमें वर्तमान अध्यक्ष राधेश्याम महावार का स्वर्गवास होने पर नए अध्यक्ष सर्वसहमति से शंकरलाल खडोलिया को बनाया गया। वहीं युवा अध्यक्ष निर्मल महावार का 2 साल का कार्यकाल पूरा होने पर बाबूलाल मारोटिया को युवा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष चुना गया। इस कार्यक्रम में माली सैनी समाज के अध्यक्ष राधेश्याम महावार को 2 मिन्ट का मौला रख कर श्रदांजलि दी गयी। तेजाराम सांखला ने महात्मा ज्योतिभा फुले के जीवन पर प्रकाश डाला। भवानी सैनी मंत्री ने बताया कि सावित्री बाई फुले पहली महिला शिक्षिका थी जिन्होंने महिला को शिक्षा से जोडने का काम किया मंत्री ने बताया की समाज में फेल रही कुरीतिया वहेइ मश्रा प्रत्यु भीज आदि के बारे में बताया नये अध्यक्ष शंकरलाल खडोलिया ने बताया कि जो समाज ने मुझे जिम्मेदारी दी हैं। उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा व समाज में सबका साथ सबका विकास ही मेरी जिम्मेदारी रहेगी। कार्यक्रम में नथमल खडोलिया, जयचंद महावार, सूरज कच्छावा, श्रवण गौड, रामकुमार सांखला, शीतल खडोलिया, मोतीलाल , सागरमल महावार, नेमीचंद महावार, सीताराम सांखला, कुंदन सतरावला, हनुमान कंकरीवाल, विजय खडोलिया, गिरधारी देवडा , गोपाल खडोलिया, पशु चुनवाल, नंदू सैनी, पृथ्वीराज सैनी बाबूलाल बजरंग संजय खडोलिया, हसरराज ,संजय, धनराज महावार, भवानी कच्छावा, कालूराम, रणाम गौड, राकेश, राजू सैनी, महेश, कमल कटारिया सहित समाज के अनेकों व्यक्ति मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

नोहर, (निसं)। यहां चुरा पुरि योजना के तहत पीने का पानी उपलब्ध करवाने वाली नहर गंधेली-लत्तानियां से जुड़े गांव बिरकाली , कर्मशाना, गोरखाना के ग्रामीणों ने आज मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी राहुल श्रीवास्तव आई. ए. एस को महंत योगी गोपालनाथ के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि सरकार नए प्रोजेक्ट के तहत दशकों पुरानी नहर में उपलबध पीने के पानी को नहर के बीचोबीच पाइप लाइन से ले जाना चाहती है और नहर का मिट्टी से भराव कर उसका असित्व समाप्त करना चाहती है जबकि प्रभावित ग्रामीण नहर के पास बगैर कीमत के अपने खेतों से पाईप लाईन डालने के लिए जगह देने को तैयार है ताकि विपण्य में गंधेली – लत्तानियां नहर को यथास्थिति में बनाए रखकर अलग से पाइप लाइन डाल दी जाए तो भविष्य में यह नहर सिंचाई सुविधा उपलब्ध करवाने के काम आ सके। इस नहर के दोनों ओर अनगिनत संख्या में पेड़ पौधे भी है जो इसी नहर के सहारे खडे हैं। साथ ही असंख्य पशु पक्षी वन्य जीव भी इस नहर पर आश्रित हैं इसलिए नहर की यथास्थिति बनाए रखी जाए ताकि पर्यावरण के साथ वन्यजीवों व ग्रामीणों को प्रभावित होने से बचाया जा सके।

मेगा ब्लड डोनेशन शिविर 17 को

राजलदेसर (निसं)। राजलदेसर में रक्तदान बैनर का विमोचन किया अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशानुसार विष्व का सबसे बडा रक्तदान अमृत महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर स्थानीय त्तरापंथ युवक परिषद द्वारा राजलदेसर में भी 17 सितंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रक्तदान शिविर का आयोजन होगा। रविवार तेरापंथ भवन में शासन साध्वी भादुकुमारी के पानन सान्निध्य में विधायक पूसराम गोदारा ने बैनर का विमोचन कर अपने विचार व्यक्त करते हुए ज्यादा से ज्यादा रक्तदान करने की अपील की। इस अवसर पर शासन साध्वी नानकुमारी ने भी उपस्थित सभी को उद्बोधन दिया । सभा की तरफ से वरिष्ठ श्रावक फनालाल दुगड ने विचार व्यक्त करते हुए रक्तदान के महत्त्व के बारे में बताया। विधायक पूसराम गोदारा एवं सभी आर्गुकों का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया । कार्यक्रम में श्री जैन श्वेतंबर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष एवं भाजपा मण्डल कोषाध्यक्ष राजकरण विनायकिया, तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष मुकेश श्रीमाल, मंत्री रजत प्रकाश बैद, संजय बैद, संदीप बैद, पंडित ब्रजेश दाधीच, मनफूल टांडी, जम्बार खोकर, इदरीश खत्री, भाजपा कार्यकारिणी सदस्य विमल छलाणी, महिला मंडल अध्यक्षा सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक

उदयपुरवाटी (निसं)। कस्बे के बस स्टैण्ड पर स्थित अग्रवाल धर्मशाला में 22 सितम्बर से आयोजित होने वाले दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारियों को लेकर ओम शिव कावडिया मंडल के अध्यक्ष महेश शाह की अध्यक्षता में मिटिंग हुई। मिटिंग में पिछले 7 सालों से बंद पड़ा दुर्गा पूजा महोत्सव को पुनः शुरू करने का सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया। मंडल के ताराचंद मित्तल ने बताया कि 7 सालों से दुर्गा पूजा महोत्सव बंद हो गया था। समिति के सदस्यों ने शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन से बस स्टैण्ड पर पुनः दुर्गा पूजा महोत्सव शुरू करने की पहल की है। 1० दिवसीय दुर्गा पूजा महोत्सव में प्रतिदिन सुबह 9 बजे व सांयकाल में 9 बजे माता की आरती होगी। सांयकाल में 7 से 9 बजे तक कथावाचक के द्वारा प्रवचन सुनाएं जाएंगे। सांयकाल अतिरिक्त की बाद में प्रतिदिन महिलाएं व पुरुष डांडिया–गरबा नृत्य खेलेंगे। विजयाशमी के अवसर पर माता की प्रतिमा का वित्सर्जन दुर्गा पूजा पांडाल से खानेश्वर धाम मंदिर तक गाजे बाजे के साथ किया जायेगा। मिटिंग में महेश गोयल, ताराचंद मित्तल, राजेश नेमीवाल, सीताराम अग्रवाल, दिनेश शर्मा शाकम्भरी वाले, रमाकांत मित्तल आदि मौजूद रहे।

उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

नोहर, (निसं)। राजस्थान सरकार द्वारा कृषी उपज मंडियों के अन्दर लाइसेंस धारी-किराना व्यापारियो पर यूजर चार्ज लागू करने के खिलाफ किराना व्यापार संघ ने अध्यक्ष पवन कन्दौई के नेतृत्व में उपखण्ड अधिकारी को मांगपत्र सौंपा। उन्होंने बताया कि जो मण्डि बत्ता में काम करने वाले किराना व्यापारियों पर 1०0 कपये के कारोबार पर 5० पैसा शुल्क कृषि उपज मण्डि अधिनियम 19६1 के तहत जारी किया गया है, उससे किराना व्यापारी और मुख्यरूप से मण्डि में पहुँचने वाले किसानों को यहां आकर किराना की खरीददारी करते हैं वह प्रभावित होंगे। इस टैक्स से किराना और अन्य खाद्य उत्पादों की कीमतों में वृद्धि की सम्भावना है। इसलिए सरकार किराना व्यापारीयो पर से यूजर टैक्स हटाकर व्यापारियों और किसानों को मंहंगाई से राहत प्रदान करावे।

इंजीनियरों का सम्मान किया

रतनगढ़ (निसं)। इंजीनियर दिवस पर लायंस क्लबर जलदह प्रेरणा के सदस्यों द्वारा नगर के विभिन्न कार्यालयों, विद्युत विभाग, जलदाय विभाग, नगर पालिका, सा. नि. विभाग बीएसएनएल, व सिविल इंजीनियरों का क्लब द्वारा प्रशस्ति पत्र, कंटा, दुपट्टा पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मान किया गया इस अवसर पर नगर के 1५ इंजीनियरों का सम्मान किया गया,जिसमें क्लब के अध्यक्ष संदीप कुमार कन्दौई, रितेश लुंडिया, ओम प्रकाश चौहान, वीरेंद्र कुमार बुनकर, रामावतार ठठेर, हिमांशु सराफ, नरेंद्र चौधरी, रवि सरावगी, सुनील चोटिया, भारती मुद्गल सहित क्लब के सदस्य उपस्थित रहे।

राजस्थान सम्पर्क पोर्टल के प्रकरणों का सात दिवस में निस्तारण करने के निर्देश दिये

सीकर, (निसं)। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं, जनहित से जुड़े मुद्दों तथा सम्पर्क पोर्टल व मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई।

जिला कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री कार्यालय, राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का 7 दिवस के भीतर गंभीरता से निस्तारण किया जाए तथा परिवारी की संतुष्टि के स्तर में अपेक्षित सुधार लाना सुनिश्चित करें ताकि जिले की रैंकिंग में सुधार हो सके। उन्होंने सभी एसडीएए एवं जिला स्तरीय अधिकारियों को 7 दिवस में विभागीय रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि सभी योजनाओं की तथ्यात्मक प्रगति का मूल्यांकन किया जा सके।

जिला कलेक्टर शर्मा ने निर्देश दिए कि 17 सितम्बर से शुरू होने वाले ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर अभियान में आने वाले आमजन को तत्काल राहत दी जाये। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों से कहा कि यह प्रयास होना चाहिए कि जो भी व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ एवं राजस्व से संबंधित अपने काम लेकर शिविर में आये वह निराश नहीं हो। उन्होंने कहा

भगवान कृष्ण रूक्मणी विवाह की झांकी सजाई

चिड़ावा (निसं)। जब भक्त संसार के चक्र व्यूह से निकलकर परमात्मा को समर्पित हो जाता है तथा अपना सब कुछ भगवान को मानने लगता है तब भगवान उसकी वृत्तियों से तदाकार करके उससे विवाह कर लेते हैं।

भगवान का एक नाम विवाह भी है, जो उनको समर्पित हो जाता है भगवान उससे विवाह कर लेते है। उक्त वक्तव्य कथा व्यास वाणी भूषण प्रतिष्ठ प्रभुशरण तिवाडी ने शहर के पुराने पोस्ट ऑफिस के पास पितृ पक्ष के अवसर पर चल रही श्रीमद्भारत कथा के दौरान रुक्मणी विवाह के अवसर पर कहे।

उन्होंने बताया की रुक्मणी ने मन वचन कर्म से एकत्रिण होकर श्रीकृष्ण की चाहत की तो भगवान कृष्ण ने उन्हें अपना बना लिया। तिवाडी ने कहा की भगवान बहुत दयालु है। कथा में महारास की वैज्ञानिक व्याख्या की गई व कंस वध उद्भव प्रसंग भी विस्तार से सुनाया गया। इस अवसर पर सजी श्री

पात्रता परीक्षा के निर्णय के विरोध में शिक्षकों ने प्रदर्शन किया

चूरू (निसं)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के निर्देशानुसार राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के लाबों शिक्षकों व राजस्थान के लाभगा एक लाख शिक्षकों व बीस लाख परिवार प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुये हैं। ज्ञापन में बताया कि ऐसे निर्णय से शिक्षकों की सेवा, सुरक्षा और आजीविका संकट में पड़ सकती है। आपको बता दें कि इस निर्णय में सेवारत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्य की गई, जिसमें शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2००9 व राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्

के शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) संबंधी निर्णय पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई। जिलाध्यक्ष शिवकुमार शर्मा ने बताया

कलेक्टर ने शहरी सेवा शिविर से पूर्व संबंधित अधिकारियों की बैठक ली

हनुमानगढ़, (निसं)।। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक प्रदेशभर में आयोजित होने वाले शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से आमजन को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा तथा उनकी समस्याओं का शीघ्र निस्तारण भी किया जाएगा। इसी क्रम में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग ने इन शिविरों के माध्यम से आमजन को विभिन्न छूट देने का निर्णय लिया है तथा इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है।

जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने सोमवार को पूर्व तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों की बैठक में बताया कि अधिसूचना अनुसार शहरी सेवा शिविर में पिछले वर्षों की बकाया लीज राशि वर्ष 202५-26 तक एकमुश्त जमा करने पर ब्याज में 1०0 प्रतिशत छूट का प्रावधान किया गया है। फ्री होल्ड पट्टे हेतु 1० वर्ष तथा लीज मुक्ति हेतु 8 वर्ष की लीज राशि एवं पिछले वर्ष की बकाया लीज राशि वर्ष 2०2५-26 तक अग्रिम एक मुश्त जमा कराने पर बकाया लीज राशि में 60 प्रतिशत छूट मिलेगी। इसी प्रकार आवासीय भूखण्ड के पुनर्गठन प्रकल्प में 250 वर्ग मीटर तक 7.5 प्रतिशत, 25० वर्ग मीटर से अधिक व 5०0 वर्ग मीटर तक 5० प्रतिशत और 5०0 वर्ग मीटर से अधिक व 1००0 वर्ग मीटर तक 25 प्रतिशत छूट प्राप्त होगी। कृषि भूमि पर बसी हुई कॉलोनियां, जिनमें संबंधित



जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने जिला स्तरीय साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली।

कि सरकार की मंशानुरूप आमजन को पात्रता के अनुसार योजनाओं के लाभ शिविर के दौरान प्रदान करें। अभियान के अंतर्गत स्ट्रीट लाइट लगाने, सफाई एवं अन्य विकास कार्य नगर परिषद,

यूआईटी एवं नगरपालिका, ग्रामपंचायतों के माध्यम से समयबद्ध तरीके से पूर्ण किए जाएं।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से निर्देशित किया कि एसआईआर

कार्यक्रम के तहत मतदाता सूचियों की शुद्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के अंतर्गत 17 सितम्बर 2025 से 02 अक्टूबर 2025 तक स्वच्छता पखवाडा का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत विभिन्न विभागों द्वारा स्वच्छता से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम, श्रमदान, प्लास्टिक मुक्त अभियान, री-

साईक्लिंग, तथा जन-सहभागिता आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि सभी जिला स्तर, उपखण्ड स्तर, ग्रामपंचायत स्तरीय कार्यालयों में 25 सितम्बर को प्रातः 8 बजे से प्रातः 9 बजे तक श्रमदान एवं सफाई अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग को बरसात से क्षितग्रस्त सड़कों का पेचवर्क कार्य प्राथमिकता से करने के साथ ही वन विभाग को रीको क्षेत्र में डायवर्जन के प्रकरणों का तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए।

जब तक किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा, संघर्ष जारी रहेगा : सांसद कस्वां

चूरू (निसं)। कलेक्ट्रेट के सामने सोमवार को बकाया फसल बीमा क्लेम सहित विभिन्न मांगों को लेकर किसानों ने सोमवार को धरना-प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय किसान सभा के बैनर तले हुये इस प्रदर्शन में जिलेभर से हजारों किसान पहुंचे। सुजानगढ तहसील से कई किसान पैदल यात्रा कर धरना स्थल पर पहुंचे। इस अवसर पर सांसद राहुल कस्वां, तारानगर विधायक नरेंद्र बुडानिया, रतनगढ विधायक पूसराम गोदारा, सतलुपर विधायक मनोज न्यांगली, कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया व एडवोकेट निर्मल प्रजापत सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने धरने का समर्थन किया। सांसद राहुल कस्वां के नेतृत्व में किसानों ने खरीफ 2025 की फसलों के बकाया बीमा क्लेम सहित 1३ सूत्री मांगों को लेकर जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा।

किसानों की प्रमुख मांगों में-फसल कटाई प्रयोग में पारदर्शिता, मूंग मोट के

सडे-गले दानों को क्रोप कटिंग रिपोर्ट में शामिल न करना, टचयूबुवले किसानों को छह घंटे बिजली आपूर्ति, अतिवृष्टि व गोजालट से नष्ट फसलों की विशेष गिरादवरी, खरीफ 2०21-2०22 के लंबित बीमा क्लेम जारी करना व खरीफ

2०23 के क्लेम में सैटेलाइट डेटा की बजाय क्रोप कटिंग रिपोर्ट को आधार बनाने की मुख्य मांग शामिल है।

इस पर सांसद राहुल कस्वां ने कहा कि किसानों की समस्याओं की लंबे समय से अन्देखी हो रही है। फसल बीमा योजना

स्मार्ट मीटर और बिजली के निजीकरण का विरोध

झुंझुनू, (निसं)। स्मार्ट मीटर और बिजली के निजीकरण के विरोध में बिजली उपभोक्ता स्मार्ट हटाओ संघर्ष समिति झुंझुनू के बैनर तले जिला कलेक्टर झुंझुनू परिसर के सामने धरना व सभा का आयोजन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। उसके बाद एक प्रतिनिधिमंडल जिला कलेक्टर झुंझुनू से मिला व ज्ञापन पेश किया। जिसकी अध्यक्षता अखिल भारतीय किसान महासभा के फूलचंद ढेवा ने की।

धरना स्थल पर स्मार्ट मीटर लगाना बंद करो, बिजली का निजीकरण करना बंद करो, स्मार्ट मीटर के नाम से बिजली उपभोक्ताओं की लूट बंद करो, हाथों में तख्तियां लिए नारे लगा रहे थे। विरोध सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा पहले से ठीक काम कर रहे बिजली

श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ पर कलश यात्रा निकाली

उदयपुरवाटी (निसं)। निकटवर्ती गिरावडी के श्री राधा कृष्ण गौशाला में रिणवा परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के पहले दिन व्यास पीठ से प्रवचन करते हुए कथा वाचक प.पवन पाठक ने कहा कि पितृ पक्ष में भागवत कथा आयोजन अधिक पुण्यदायी और पितृ देवों का कृपा पात्र बनाना है। उन्होंने प्रवचनों में भागवत महात्म्य के साथ राजा परीक्षित, धृंधकारी चरित्र एवं विशद वर्णन भी किया। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन महंत पूर्णानंद के सानिध्य में किया जा रहा है। गिरावडी के रघुनाथ जी मंदिर से श्री राधा कृष्ण गौशाला तक महिलाओं ने डीजे पर नाचते गाते हुए कलश यात्रा निकाली और दो किलोमीटर कथा स्थल पर कलश यात्रा पहुंची। ग्रामीणों ने कलश यात्रा का पुष्प वर्षा कर जगह-जगह स्वागत किया । इससे पहले रघुनाथ जी मंदिर में जलयात्रा पूजन कर कलश यात्रा का शुभारंभ किया। मुख्य यजमान राजेंद्र कुमार शर्मा-यशोदा देवी शर्मा,प्रदीप कुमार शर्मा –मिर्तु शर्मा,पंकज कुमार शर्मा, महेंद्र कुमार चोटिया, महेश कुमार डीडवानिया, विष्णु डीडवानिया, रामावतार चोटिया, सुरेश स्थला, भंवरलाल चोटिया ने आचार्य वैदिक कमल शर्मा व वैदिक रामावतार शर्मा ने भागवत ग्रंथ का पूजन किया।कथा का वाचन 21 सितंबर तक होगा। पूर्णानंद महाराज ने बताया कि श्री राधा कृष्ण गौशाला में गायों के लिए प्रतिवर्ष श्रीमद् भागवत कथाज्ञान यज्ञ का आयोजन करवाया जाता है।

किसानों के लिए राहत का माध्यम है, लेकिन बकाया क्लेम समय पर नहीं मिलना अन्याय है। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसानों की मांगों को केंद्र और राज्य सरकार के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा। सांसद ने कहा कि जब तक किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। बैंकों व बीमा कंपनियों की लापरवाही से वंचित 96 हजार किसानों को रबी 2०17-18 से खरीफ 2०2० तक के बकाया क्लेम दिलाने, बिजली के स्मार्ट मीटर पर रोक, हाईटेशन लाइन के नीचे की भूमि का बाजार भाव से चार गुना पुंजवाज व सालासर क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की मांग की गई। किसानों ने चेतावनी देते हुये कहा कि यदि जल्द ही मांगें नहीं मानी गईं तो प्रदेश स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन को देखते हुये भारी पुलिस जाफा तैनात किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसान सभा व कांग्रेस के पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्मार्ट मीटर और बिजली का निजीकरण का विरोध

झुंझुनू, (निसं)। स्मार्ट मीटर और बिजली के निजीकरण के विरोध में बिजली उपभोक्ता स्मार्ट हटाओ संघर्ष समिति झुंझुनू के बैरत तरे जिला कोलेक्टर झुंझुनू परिसर के सामने धरना व सभा का आयोजन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। उसके बाद एक प्रतिनिधिमंडल जिला कोलेक्टर झुंझुनू से मिलवा व ज्ञापन पेश किया। जिसकी अध्यक्षता अखिल भारतीय किसान महासभा के फूलचंद देवा ने की।

धरना स्थल पर स्मार्ट मीटर लगाना बंद करो, बिजली का निजीकरण करना बंद करो, स्मार्ट मीटर के नाम से बिजली उपभोक्ताओं को लूट बंद करो, हाथों में तख्तियां लिए नारे लगा रहे थे। विरोध सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा पहले से ठीक काम कर रहे बिजली

मीटरों को हटाकर स्मार्ट मीटर लगाना जा रहे हैं तथा बिजली का निजीकरण किया जा रहा है।

स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं उनके भारी बिल आ रहे हैं तथा पहले दो माह से बिल आता था। अब हर महिना गांधी भाति के सरचाज लगाकर उपभोक्ताओं को लूटा जा रहा है। ये सभ कमपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए किया जा रहा है जिसे आम उपभोक्ता कभी भी बदपस नहीं करेगा। अतिवृष्टि के कारण जिले के किसानों की पूरी फसल कोचट हो गई है। जिसकी शीघ्र गिरफ्तारी करावई जाकर मुआवजा दिलाया जाए। इन्हीं मांगों को लेकर जिला कमपनी के मार्फत मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया।

विरोध सभा को क्रांतिकारी किसान यूनियन के संयोजक पोक सिंह झाड़ाडियन ने सम्बोधित किया।

अन्य सूचना एवं नियम व शर्तों के लिये IREPS की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर लॉगिन करें ।
1169-DR/25
हमें f X NWRailways @ NWRailways पर फॉलो करें